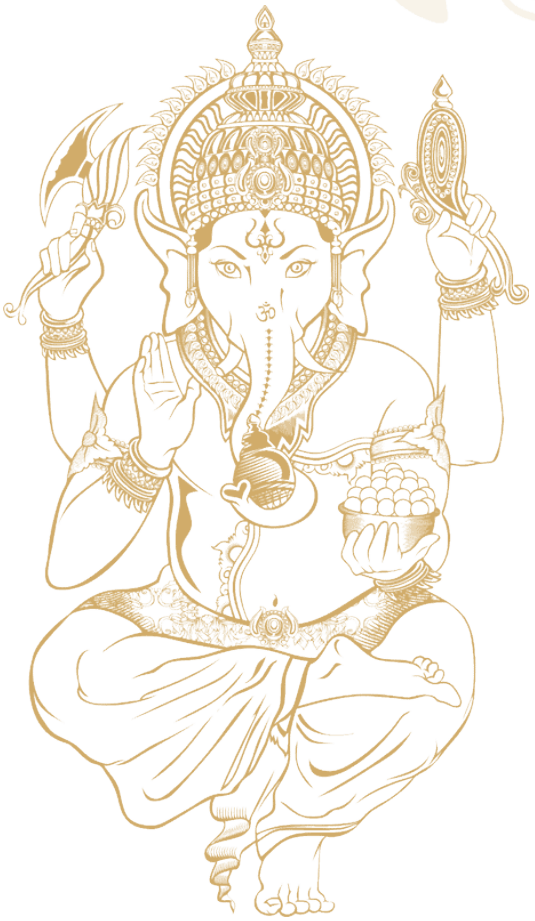

Chanderganta

22 Mar 2026

01:43 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121680410

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**21-22/03/2026**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**01:43:00 घंटे**
इष्ट	48:16:24 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:21:52 घंटे
वेलान्तर	-00:07:12 घंटे
साम्पातिक काल	13:19:18 घंटे
सूर्योदय	06:24:26 घंटे
सूर्यास्त	18:32:44 घंटे
दिनमान	12:08:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	06:59:40 मीन
लग्न के अंश	11:28:21 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	वैधृति
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ली-लीना
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	11:28:21	341:06:19	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
सूर्य			मीन	06:59:40	00:59:36	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	मित्र राशि
चंद्र			मेष	13:59:26	14:28:50	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	कुंभ	20:55:43	00:47:09	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
बुध			कुंभ	14:19:02	00:05:59	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
गुरु			मिथु	21:02:51	00:02:04	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	24:52:43	01:14:14	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	उच्च राशि
शनि		अ	मीन	10:03:20	00:07:29	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:37:13	00:03:09	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:37:13	00:03:09	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	04:07:31	00:02:14	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:35:42	00:02:16	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो			मक	10:48:20	00:01:13	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			कन्या	27:13:38	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:30

लग्न-चलित

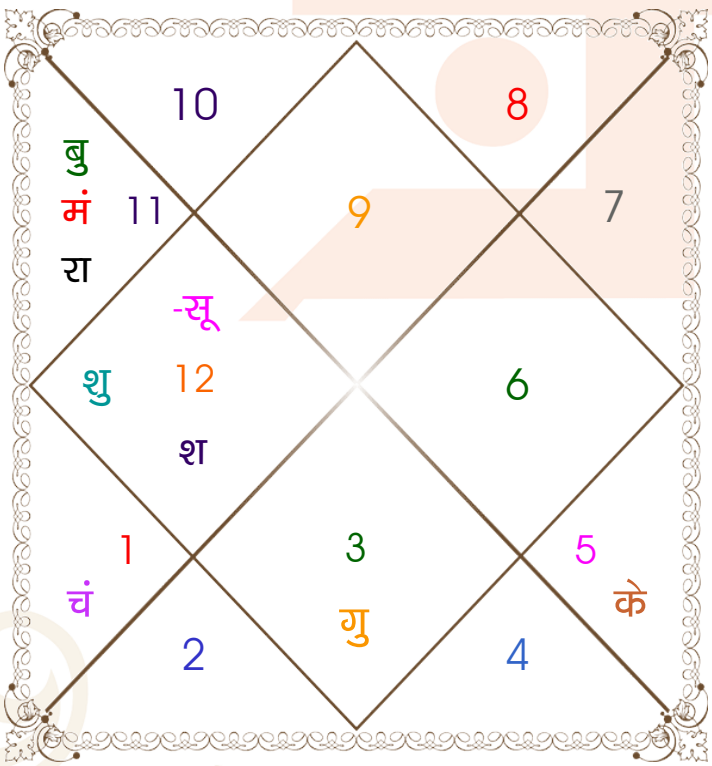

चन्द्र कुंडली

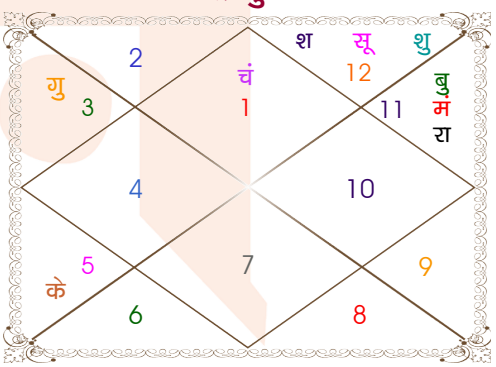

नवमांश कुंडली

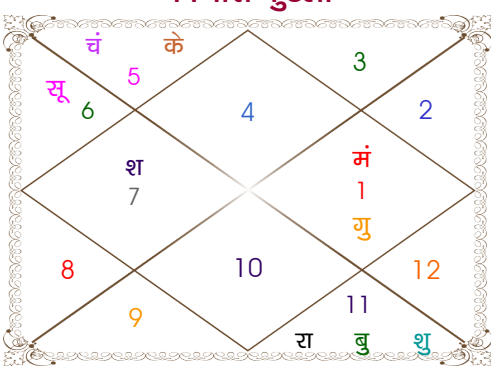

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 19 वर्ष 0 मास 5 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
22/03/2026		27/03/2045		27/03/2051		27/03/2061		26/03/2068	
27/03/2045		27/03/2051		27/03/2061		26/03/2068		27/03/2086	
शुक्र	26/07/2028	सूर्य	14/07/2045	चंद्र	25/01/2052	मंगल	23/08/2061	राहु	07/12/2070
सूर्य	26/07/2029	चंद्र	13/01/2046	मंगल	25/08/2052	राहु	10/09/2062	गुरु	02/05/2073
चंद्र	27/03/2031	मंगल	21/05/2046	राहु	24/02/2054	गुरु	17/08/2063	शनि	08/03/2076
मंगल	26/05/2032	राहु	14/04/2047	गुरु	26/06/2055	शनि	25/09/2064	बुध	25/09/2078
राहु	27/05/2035	गुरु	01/02/2048	शनि	25/01/2057	बुध	22/09/2065	केतु	14/10/2079
गुरु	25/01/2038	शनि	13/01/2049	बुध	26/06/2058	केतु	18/02/2066	शुक्र	14/10/2082
शनि	27/03/2041	बुध	19/11/2049	केतु	25/01/2059	शुक्र	20/04/2067	सूर्य	07/09/2083
बुध	25/01/2044	केतु	27/03/2050	शुक्र	25/09/2060	सूर्य	26/08/2067	चंद्र	08/03/2085
केतु	27/03/2045	शुक्र	27/03/2051	सूर्य	27/03/2061	चंद्र	26/03/2068	मंगल	27/03/2086

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
27/03/2086		28/03/2102		28/03/2121		28/03/2138		28/03/2145	
28/03/2102		28/03/2121		28/03/2138		28/03/2145		00/00/0000	
गुरु	14/05/2088	शनि	31/03/2105	बुध	24/08/2123	केतु	24/08/2138	शुक्र	23/03/2146
शनि	25/11/2090	बुध	09/12/2107	केतु	20/08/2124	शुक्र	24/10/2139		00/00/0000
बुध	02/03/2093	केतु	17/01/2109	शुक्र	21/06/2127	सूर्य	29/02/2140		00/00/0000
केतु	06/02/2094	शुक्र	18/03/2112	सूर्य	27/04/2128	चंद्र	29/09/2140		00/00/0000
शुक्र	07/10/2096	सूर्य	28/02/2113	चंद्र	26/09/2129	मंगल	25/02/2141		00/00/0000
सूर्य	26/07/2097	चंद्र	29/09/2114	मंगल	23/09/2130	राहु	16/03/2142		00/00/0000
चंद्र	25/11/2098	मंगल	08/11/2115	राहु	12/04/2133	गुरु	20/02/2143		00/00/0000
मंगल	01/11/2099	राहु	14/09/2118	गुरु	19/07/2135	शनि	30/03/2144		00/00/0000
राहु	28/03/2102	गुरु	28/03/2121	शनि	28/03/2138	बुध	28/03/2145		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 19 वर्ष 0 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपनी जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किन्चित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आप अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सकें। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकती हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखें।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहती हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगी एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगी तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगी। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगी। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगी। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति की प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगी। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगी तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगी तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतती रही तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगी। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।